Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

स्वतंत्र भारत में राजनीति

अध्याय - 6

लोकतांत्रिक व्यवस्था का संकट

भाग - 1

Satyaveer Yadav

Under CSR Support by
ipca | Foundation

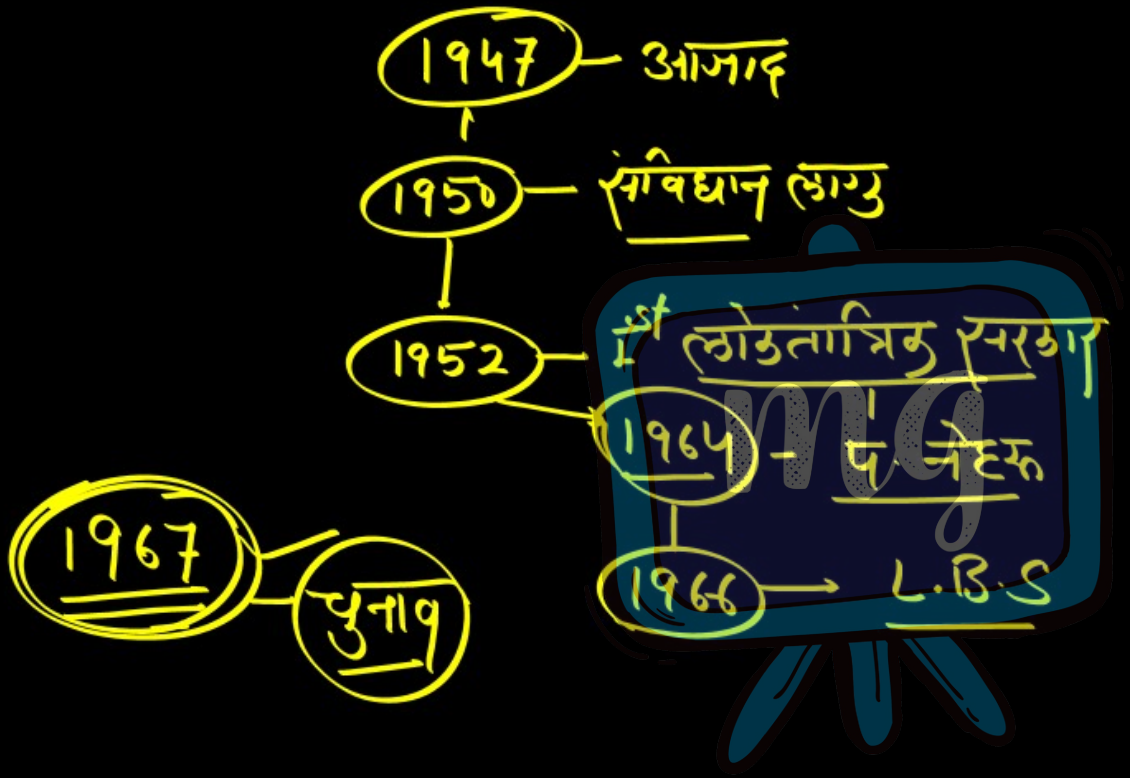
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

इस अध्याय में :

- 1975 के आपाकाल की पृष्ठभूमि।
- आपातकाल लागू करने के कारण।
- आपातकाल की आवश्यकता?
- आपातकाल लागू करने का व्यावहारिक अर्थ क्या था?
- दलगत राजनीति के हिसाब से आपातकाल के क्या परिणाम हुए?
- आपातकाल से भारतीय लोकतंत्र ने क्या सबक सीखे?

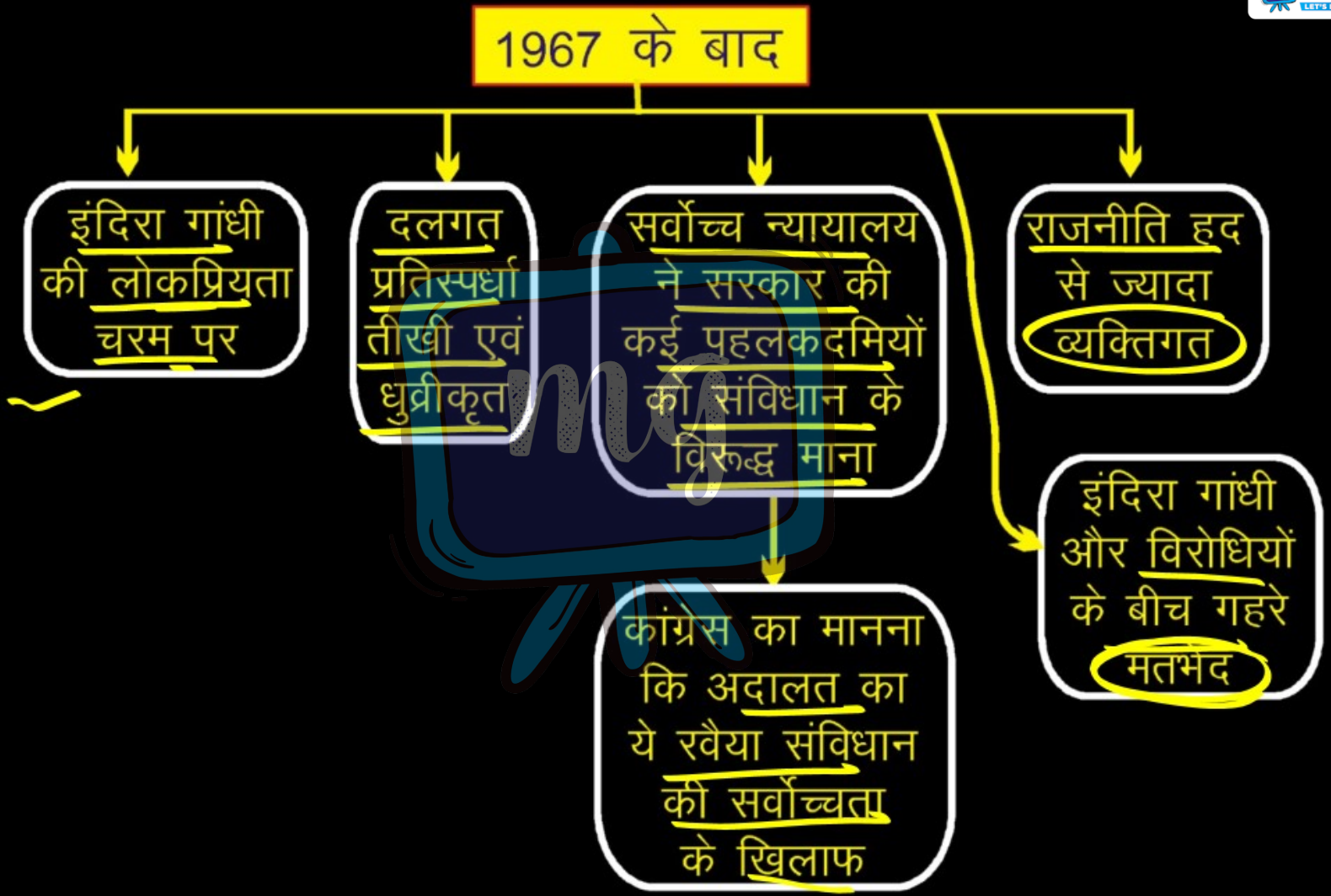
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1961-71 → तीव्र जनसंख्या वृद्धि दर



Under CSR Support by ipca | Foundation

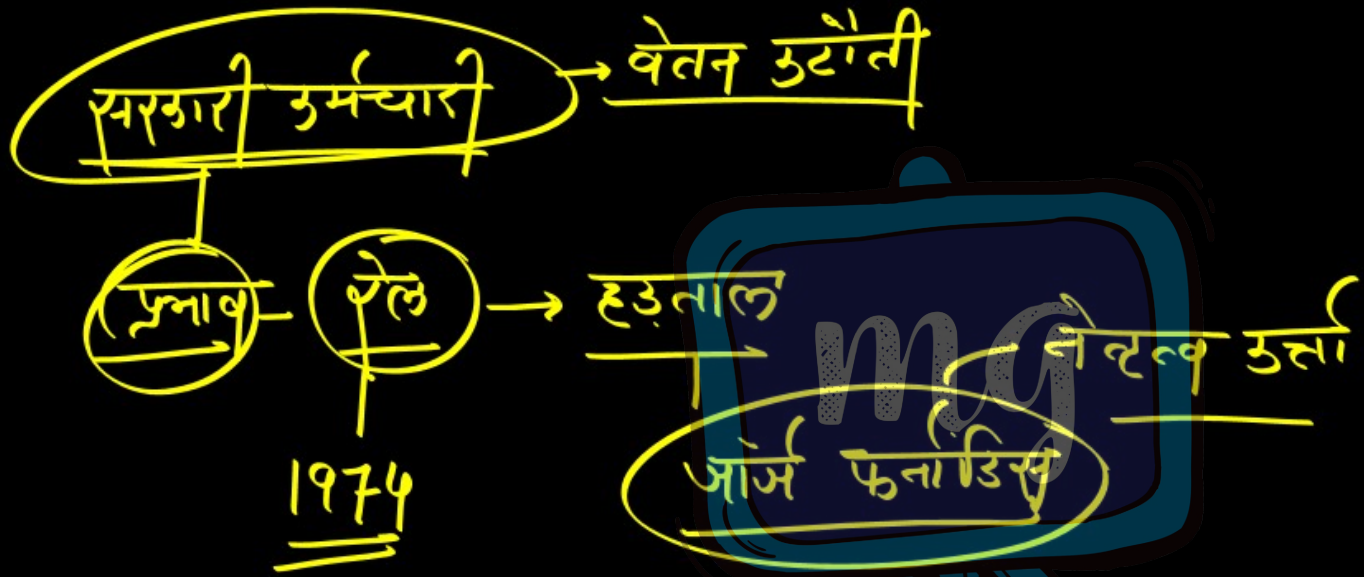
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

आर्थिक संदर्भ

- औद्योगिक विकास की दर कम
  - बेरोजगारी बढ़ी
    - खर्चे को कम करने के लिए सरकार ने कर्मचारियों का वेतन रोका
- अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में कई गुना बढ़ोत्तरी
  - विभिन्न चीजों की कीमतों में भी वृद्धि
- बांग्लादेश संकट से अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ
- 1972–73 में मानसून असफल
  - खाद्यान्न का उत्पादन 8 प्रतिशत से भी कम
- 1971 का नारा गरीबी हटाओ
  - 1971–72 के बाद के सालों में भी देश की सामाजिक–आर्थिक दशा में कोई खास सुधार नहीं

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- सरकारी कर्मचारियों में असंतोष।
- आर्थिक स्थिति की बदहाली से पूरे देश में असंतोष।
- उठते छात्रों के विरोध के स्वर।
- गैर-कांग्रेसी दलों ने कारगर तरीके से जन-विरोध की अगुवाई की।
- संसदीय राजनीति में विश्वास न रखने वाले कुछ मार्क्सवादी समूहों की सक्रियता बढ़ी।
- ऐसे समूह पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा सक्रिय।
- पश्चिम बंगाल की सरकार ने इनको दबाने के लिए कठोर कदम उठाये।